>

Title: Regarding drought and flood situation on Banka Parliamentary Constituency in Bihar.

श्रीमती पुतुल कुमारी (बांका): सभापति महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र बांका की ओर आकृष्ट करना चाहती हूं। बांका रेशम के बुनकरों और मशहूर सुगन्ध युक्त कतरनी चावल का प्रदेश है। अभी आपने कहा कि दो विषयों को डायलूट नहीं करना है। लेकिन मैं दो विषयों को साथ-साथ बताने जा रही हूं, क्योंकि मेरा संसदीय क्षेत्र एक साथ सूखे और बाढ़ दोनों समस्याओं से जुड़ा हुआ है। मेरे आठ ब्लॉकों - कटोरिया, बॉसी, धौरैया, फुल्लीडूमर, चांदन, बेलहर, रजौन और शंभुगंज में सूखे की स्थिति है। बीज सूख गए हैं। कतरनी चावल जिसके लिए बांका क्षेत्र मशहूर है, उसके बीज सूख गए हैं क्योंकि सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जो पुरानी सिंचाई की व्यवस्था है, वह ध्वस्त हो जाती है, क्योंकि हर बार मिट्टी का काम होता है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि वहां पंजाब की तर्ज पर पक्की नहरों का विकास हो, ताकि बांका क्षेत्र के लोगों को हर बार सूखे की समस्या से असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह एक ऐसी व्यवस्था होगी जो साल दर साल चलती रहेगी। लेकिन तत्काल उन आठ ब्लॉकों को सूखा क्षेत्र घोषित किया जाए और उचित सहायती दी जाए।

सुल्तानगंज और शाहकुंड दो ब्लॉक पानी में घिरे हुए हैं। ये दोनों भागलपुर जिले में पड़ते हैं। शाहनवाज भाई वहां से आते हैं। सुल्तानगंज की 11 पंचायत और शाहकुंड की 8 पंचायत पानी में डूबी हुई हैं। वहां लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। वहां मक्के की फसल बहुत अच्छी होती है जिसे दूसरे राज्यों में भी बेचा जाता है। वहां मक्के की फसल चौपट हो गई है।...(व्यवधान) आवागमन का साधन टूट गया है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : पुतुल कुमारी जी, बाढ़ और सूखे की दोनों बातें आपकी आ गई हैं। आप अपनी मांग बता दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती पुतुल कुमारी : मेरी डिमांड है कि जिनके घर टूट गए हैं, उन सबको कम से कम 80 हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध करवाई जाए, ताकि वे अपने घरों की मरम्मत करवा कर उन्हें रहने लायक बनवा सकें। जो फसल खराब हुई है, उसके लिए उन्हें 10 हजार रुपये प्रति एकड़ फसल का मुआवजा दिया जाए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : सैयद शाहनवाज हुसैन अपने आपको श्रीमती पुतुल कुमारी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।